|  |
| --- |
| **19. / 20. April 2025** |
| **Die Feier der O S T E R N A C H T C** |
| **Lichtfeier** |
| 01. | Begrüßung der Gemeinde |  |  |
|  | und Einführung in die |  |  |
|  | Osternacht |  |  |
| 02. | Segnung des Osterfeuers |  |  |
| 03. | Bereitung der Kerze |  |  |
| 04. | Einzug in die Kirche | „Lumen Christi“ (3X) |  |
| 05. | Exsultet |  |  |
| 06. | Nach dem Exsultet | GL 334, 1-3 | O Licht der wunderb. Nacht |
| 07. | 1. Lesung | Gen 1, 1 – 2, 2 |  |
| **Wortgottesdienst** |
| 08. | Antwortgesang | GL 312, 2 + Ps 104 | Sende aus deinen Geist |
|  |  | GL 411 | Erde singe |
|  |  | GL 467 | Erfreue dich, Himmel |
|  |  | GL 619, 1+2 | Alles, was Odem hat |
| 09. | Gebet |  |  |
| 10. | 2. Lesung | Gen 22, 1-18 |  |
| 11. | Antwortgesang | GL 312, 3 + Ps 15 | Behüte mich, Gott |
|  |  | GL 423 | Wer unterm Schutz |
| 12. | Gebet |  |  |
| 13. | 3. Lesung | Ex 14, 15 – 15, 1 |  |
| 14. | Antwortgesang | GL 312, 4 + Ex 15 | Dem Herrn will ich singen |
|  |  | GL 386 + Ex 15 | Laudate omnes gentes |
|  |  | GL 402, 1+2.6-10 | Danket Gott |
| 15. | Gebet |  |  |
| 16. | 4. Lesung | Jes 54, 5-14 |  |
| 17. | Antwortgesang | GL 312, 5 + Ps 30 | Aus der Tiefe |
|  |  | GL 143, 3 | Herr, ob dem Himmel |
| 18. | Gebet |  |  |
| 19. | 5. Lesung | Jes 55, 1-11 |  |
| 20. | Antwortgesang | GL 312, 6 + Jes 12 | Freudig lasst uns |
|  |  | GL 427, 1+2 | Herr, deine Güt |
|  |  | GL 397 | All meine Quellen |
| 21. | Gebet |  |  |
| 22. | 6. Lesung | Bar 3, 9-15.32 -4, 4 |  |
| 23. | Antwortgesang | GL 312, 7 + Ps 19 | Herr, du hast Worte |
|  |  | GL 450 | Gottes Wort ist wie Licht |
| 24. | Gebet |  |  |
| 25. | 7. Lesung | Ez 36, 16 -17a.18-28 |  |
| 26. | Antwortgesang | GL 312, 8 + Ps 42 | Wie der Hirsch |
|  |  | GL 420 + Ps 42 | Meine Seele dürstet |
| 27. | Gebet |  |  |
| 28. | Gloria | GL 167 oder | Dir Gott im Himmel |
|  |  | GL 168, 1 (Kanon) | Gloria in excelsis |
| 29. | Tagesgebet |  |  |
| 30. | Epistel | Röm 6, 3-11 |  |
| 31. | Halleluja | GL 312, 9 oder 175, 2 |  |
|  |  | 3 X danach Ps 118 |  |
| 32. | Evangelium: | Lk 24,1-12 |  |
| 33. | Lied | GL 318 | Christ ist erstanden |
| 34. | Predigt |  |  |
|  |  |  |  |
| **Tauffeier** |
| 35. | Allerheiligen-Litanei | Siehe M. Kantorale oder |  |
|  |  | GL 556. 1-6. 8 | !!! 5 und 6 teilweise |
| 36. | Taufwasserweihe |  |  |
| 37. | Erneuerung des |  |  |
|  | Taufversprechens |  |  |
| 38. | Besprengung der Gemeinde | GL 801, 5 + 2 | Fest soll mein Taufbund |
| 39. | Fürbitten |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| **Eucharistiefeier** |
| 40. | Gabenbereitung | 329, 1-5 | Das ist der Tag |
| 41. | Gabengebet |  |  |
| 42. | Sanctus | GL 380, 2+3 | Alles, was dich |
| 43. | Vater unser |  |  |
| 44. | Agnus Dei | GL 762 | Verklärter Leib |
| 45. | Kommunion |  |  |
| 46. | Danksagung | GL 752, 1-3 | Das Grab ist leer |
| 47. | Feierlicher Schlusssegen |  |  |
| 48. | Schlusslied | GL 525, 1-4 | Freu dich, du |
|  |  |  | Himmelskönigin |
| 49. | Auszug |  |  |